



सत्यमेव जयते

**Consulate General of India
Sydney**

PASSPORT SEVA DIWAS - 26-27 June 2018

Ministry of External Affairs, Government of India will be observing 'Passport Seva Diwas' on 26-27 June 2018. The main event will be held at Jawaharlal Nehru Bhawan in New Delhi in the presence of External Affairs Minister, Minister of State for External Affairs, 36 RPOs across the country, besides the representative of the Andaman & Nicobar Islands Administration and senior Government officials on 26 June 2018 from 11:00 AM to 12:00 PM

विदेश मंत्री
भारत



Minister of External Affairs
India

सुषमा स्वराज
Sushma Swaraj



MESSAGE

It is a matter of great pleasure for me to felicitate all our Passport Issuing Authorities in India and abroad on the occasion of the Passport Seva Divas. The Ministry of External Affairs and its subordinate office- the Central Passport Organization- are celebrating as well as marking the Day with renewed commitment to provide better passport and other related services in a timely, assured, transparent and efficient manner.

The year 2017 will be remembered for the commendable growth of nearly 19% in passport and other related services. The monthly submission of applications crossed the one million mark for the first time. The Ministry took significant steps to build efficient passport delivery systems. Not only did the work of simplifying the Passport Rules continued with the same vigour but also we endeavoured and worked towards taking passport services closer to the doorsteps of our citizens.

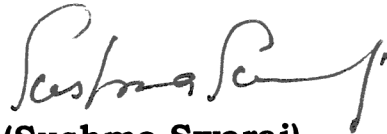
We have 93 Passport Seva Kendras (PSK) today serving our populace. We strengthened our partnership with the Department of Posts to render passport related services by setting-up Post Office Passport Seva Kendras (POPSK) in the Head Post Offices and other Post Offices. We have announced so far the establishment of 289 POPSK in three phases - 86 in Phase-I, 165 in Phase-II and 38 in Phase-III to extend passport services to our citizens on a bigger scale and to ensure wider area coverage. It is matter of immense satisfaction that 81 POPSK identified in Phase-I, 130 POPSK identified in Phase-II and 2 POPSK identified in Phase-III have become functional. The Ministry is working closely with the Department of Posts for early operationalization of the remaining POPSK. More than 12,000 appointments are being released for passport applicants at these POPSK to enable them to complete the requisite formalities necessary prior to the issue of the passport. Our efforts have helped in reducing the distance required to travel by an applicant to get a passport.

Contd....2/-

: 2 :

We have eased the process of getting a passport under the 'Tatkaal' Scheme by removing the requirement of submitting a Verification Certificate. We have made excellent use of 'Digital India' to provide a mobile platform for submission of passport applications. The process of Police Verification has been simplified and made citizen-friendly. We are working towards integrating our Embassies and Consulates into the Passport Seva Project. We are working towards providing an effective, transparent and accountable service delivery system in the years ahead.

I take this opportunity to request you to commit yourself towards the core principle of our Government: '*Saaf Niyat; Sahi Vikaas*'. Let us re-dedicate ourselves to work towards providing good governance and pledge to put in place more inclusive and robust mechanisms to achieve our objective of building a new India.


(Sushma Swaraj)

पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर विदेश मंत्री का संदेश

जून 26, 2018

पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर भारत और विदेशों में हमारे सभी पासपोर्ट जारीकर्ता प्राधिकारियों को सम्मानित करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। विदेश मंत्रालय और इसके अधीनस्थ कार्यालय- केंद्रीय पासपोर्ट संगठन- इस उत्सव को मना रहे हैं और साथ ही इस अवसर पर समयबद्ध, सुनिश्चित, पारदर्शी और कुशल तरीके से बेहतर पासपोर्ट और अन्य संबंधित सेवाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरा रहे हैं।

वर्ष 2017 को पासपोर्ट और अन्य संबंधित सेवाओं में लगभग 19% की प्रशंसनीय वृद्धि के लिए याद रखा जाएगा। मासिक आधार पर जमा होने वाले आवेदनों की संख्या पहली बार 10 लाख से अधिक हो गई है। कुशल पासपोर्ट प्रदाता प्रणाली तैयार करने के लिए मंत्रालय ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। न सिर्फ पासपोर्ट नियमावली के सरलीकरण का कार्य उसी उत्साह से जारी रहा बल्कि हमने पासपोर्ट सेवाओं को हमारे नागरिकों के घर तक ले जाने का प्रयास और कार्य किए हैं।

हमारी जनता के लिए आज 93 पासपोर्ट सेवा केंद्र सेवारत हैं। हमने प्रधान डाकघरों और अन्य डाकघरों में डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित करके पासपोर्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए डाक विभाग के साथ अपनी साझेदारी को सट्टा किया है। हमने बड़े स्तर पर अपने नागरिकों के लिए पासपोर्ट सेवाओं का विस्तार करने और अधिक से अधिक क्षेत्रों को शामिल करने हेतु अभी तक तीन चरणों में 289, पीओपीएसके स्थापित करने की घोषणा की है। चरण-I में 86, चरण-II में 165 और चरण-III में 38 पीओएसके खोले जाने हैं। यह बहुत ही संतोष का विषय है कि चरण-I में निर्धारित 81, चरण-II में निर्धारित 130 और चरण-III में निर्धारित 2 पीओपीएसके ने कार्य करना शुरू कर दिया है। मंत्रालय शेष बचे पीओपीएसके के शीघ्र प्रचालन के लिए डाक विभाग के साथ घनिष्ठ सहयोग से कार्य कर रहा है। इन पीओपीएसके पर पासपोर्ट जारी करने से पूर्व आवश्यक अपेक्षित औपचारिकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए पासपोर्ट आवेदकों को 12,000 से अधिक अप्वाइटमेंट जारी किए जा रहे हैं। हमारे प्रयासों से आवेदकों को पासपोर्ट प्राप्त करने के लिए तय की जाने वाली दूरी कम करने में सहायता मिली है।

हमने सत्यापन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता को हटाकर 'तत्काल' स्कीम के तहत पासपोर्ट प्राप्त करने की प्रक्रिया को आसान बनाया है। हमने पासपोर्ट आवेदनों को

प्रस्तुत करने हेतु एक मोबाइल प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के लिए 'डिजिटल इंडिया' का बेहतरीन उपयोग किया है। पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया सरल की गई है और इसे नागरिक-अनुकूल बनाया गया है। हम अपने दूतावासों और कौंसुलावासों को पासपोर्ट सेवा परियोजना में शामिल करने के लिए कार्यरत हैं। हम आने वाले वर्षों में एक प्रभावी, पारदर्शी और उत्तरदायी सेवा प्रदाता प्रणाली उपलब्ध कराने की दिशा में कार्यरत हैं।

मैं इस अवसर पर आपसे अनुरोध करती हूँ कि आप हमारी सरकार के मूल सिद्धांत: 'साफ नियत; सही विकास' के प्रति प्रतिबद्ध रहें। आइए, हम सब सुशासन प्रदान करने की दिशा में स्वयं को पुनः समर्पित करें और एक नए भारत का निर्माण करने के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अधिक समावेशी और मजबूत तंत्र विकसित करने की प्रतिज्ञा करें।
